श्री हरि

श्री गुरुदेव नमः

सत्गुरनानक देव नाम माला

जयति जगत गुर पावन जै गुर नानक परमेश्वर आप पठावन , जै गुर नानक श्री जनक राइ अवतारन , जै गुर नानक किलयुग दुख निवारण , जै गुर नानक वेदी वंश उजागर , जै गुर नानक सकल गुणनि के सागर , जै गुर नानक बाबा कालू घर प्रद्यटावन , जै गुर नानक माता व्रपता मोद बढ़ावन , जै गुर नानक सकल देव करि वन्दन , जै गुर नानक निज दासनि के उर चन्दन , जै गुर नानक , जै गुर नानक गुर नानक नाम धरावन नाम जपत जग पावन , जै गुर नानक , जै गुर नानक तिलवंडी गांव निवासन

पृथ्वी पाखंड निवारन बाल केल मुद दायन

, जै गुर नानक

, जै गुर नानक

माता सुख सरसावन पल पल नाम उचारन महिमा मातु सुनावन पंडित पाठ पढ़ावन

, जै गुर नानक

भेण नानकी सुख सरसावन, जै गुर नानक

ब्रह्म विद्या विस्तारन

काजी किताब पढ़ावन

ईश्वर भेद बतावन

बन महं भैंस चरावन

विनशो खेतु उगाहन

शेष-छाया में सोवन

राय बुलार मन मोहन

बाबा वणिजु पठावन , जै गुर नानक

संत रेणु दियो दर्शन , जै गुर नानक

सची वस्तु विसाहन , जै गुर नानक

संतिन भोजनु खवावन , जै गुर नानक

जैराम को हर्ष बढ़ावन , जै गुर नानक मोदी रूपु धरावन , जै गुर नानक तिकड़ी हाथ उठावन , जै गुर नानक भुखियनि भूख निवारन , जै गुर नानक दुखियनि दूख मिटावन , जै गुर नानक आए नदी नहावन , जै गुर नानक

तीन दिन जल अवगाहन ,जै गुर नानक आये सचखण्ड पावन , जै गुर नानक श्री प्रभु मंत्र सुनावन , जै गुर नानक आए सूखे वस्त्रनि , जै गुर नानक जग विस्माद बढ़ावन , जै गुर नानक मोदी खानो लुटावन , जै गुर नानक चित वैरागु बढ़ावन , जै गुर नानक बालो मरदानो लियो संगन , जै गुर नानक प्रेम भक्ति रस रंगन , जै गुर नानक वेदी लालू के घर आवन , जै गुर नानक सत्संगति सुख सरसावन , जै गुर नानक निज शक्ती चक्की फिरावन, जै गुर नानक सब बन्दी छुट्टी पावन
मालिक भागू गर्व मिटावन
शाह बाबर को वर दायन
ले भंगड़ी रीझ रीझावन
भाई मनसुख नामु जपावन
पंजे कोद़ी बेड़ो तरावन
निज वृद की लाज रखावन
कलियुग किये छल छंदन
लखि प्रताप कीय वन्दन
मरदाने साज दिवावन

अकाल पुरुष गुन गावन राजा शिवनाभ प्रीति बढ़ावन आए सिंघल दीप मन भावन गए सुमेर गिरि करि रंजन सब सिद्धनि के मन भंजन श्री वैकुण्ठि छिब दर्शावन ध्रुव प्रहलाद दरस दिखावन सब पृथ्वी पर किर भ्रमण

 , जै गुर नानक

 , जै गुर नानक

,जै गुर नानक
, जै गुर नानक

, जै गुर नानक

सतिनाम मन्त्र सुनावन अद्भुत वेष धरावन काबो चरण फिरावन पीर दस्तगीर विस्मय पावन लखे ब्रह्मांड दरस दिखावन वली कंधारी सिद्धि दिखावन पंजा साहिब प्रघटावन सजन ठग को सुमति दृढ़ावन कोद़े राक्षस भक्ति बढ़ावन शह सुहागिनि भेद खुलावन प्रेम भक्ति हींय सरसावन आए कुरुक्षेत्र सूर्य ग्रहण सब पंडित गर्व निवारन मुलतान में प्रभु आवन शेख इब्राहिम सुख सरसावन

माता श्राद्ध करावन पितर वैकुण्ठ दिखावन भाई मूले प्रीति बढ़ावन दे परिचय मुक्ति पठावन

 , जै गुर नानक

 , जै गुर नानक

, जै गुर नानक, जै गुर नानक, जै गुर नानक, जै गुर नानक, जै गुर नानक

,जै गुर नानक , जै गुर नानक , जै गुर नानक , जै गुर नानक देवी सुलछनी सों विध कंगन , जै गुर नानक करतार पुर राज सिंहासन , जै गुर नानक भेण नानकी करि अरिदासन , जै गुर नानक दो पुव्रनि को प्रघटावन , जै गुर नानक बाबे बुढे को गोद बिठावन , जै गुर नानक सत्संगति मौज मचावन , जै गुर नानक आयो लहिणो जसु सुनि श्रवण , जै गुर नानक , जै गुर नानक कई सेवा अति चित हरिषण निज पुत्र परीक्षा लेवन , जै गुर नानक , जै गुर नानक भाई लहिणे को जस देवन दासीअ चरण चटावन , जै गुर नानक सागर नाव दिखावन , जै गुर नानक निज विरद की लाज रखावन , जै गुर नानक , जै गुर नानक कीर्तन भक्ति करावन सेवा जगत सिखावन , जै गुर नानक अविद्या तिमिर नशावन , जै गुर नानक घाणिक रूप धरावन , जै गुर नानक सब सेवक मति भ्रमावन , जै गुर नानक भाई लहिणे पर कोपु करावन , जै गुर नानक लिख नम्रता फिर गलि लावन भाई लहिणे राजु दिवावन श्री गुरु अंगद नाम धरावन धरि नारियल कीय पग वन्दन सब संतनि शीश नवावन सब शक्ति दी सुखरासन सदा सच खण्ड विलासन सेवक के सुख वर्धन कणाह प्रसाद करि भोजन सदा सेवक के संग साथन निज शरिणनि के हित राखन लोक परलोक संवारन जै जै धुनि की संतनि जाऊँ वार वार बलिहारन कर्ख कोटनि कोटि जुहारन धन्य धन्य गुर नानक सत्य सत्य गुर नानक अजर अमर गुर नानक सब संतनि के सिरताजन

, जै गुर नानक श्री मैगसि चन्द्र सुखदायन , जै गुर नानक सदा मंगल मोद बढ़ावन , जै गुर नानक गेही प्रीति दृढ़ावन , जै गुर नानक

* ** * ** *